अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातक द्वितीय वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातक द्वितीय वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-IV

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2022 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातक द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for B.A Programme in Hindi

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल** : चुने हुए क्षेत्र और संबद्ध विषयों में अनुसंधान और उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए अवसर की तलाश है और अनुसंधान नैतिकता, बौद्धिक संपदा अधिकारों और साहित्यिक चोरी के मुद्दों के बारे में जागरूक है। प्रासंगिक, उचित प्रश्न पूछने के लिए पूछताछ की भावना और क्षमता प्रदर्शित करें । किसी अनुसंधान परियोजना के परिणामों की योजना बनाने, निष्पादित करने और रिपोर्ट करने की क्षमता, चाहे क्षेत्र में हो या ना हो वह निगरानी में रहें।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक सरोकार प्रदर्शित करें और समता केन्द्रित राष्ट्रीय विकास और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करने और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्ध होने की क्षमता विकासित करें।।
PO3	**सामाजिक क्षमता :** व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में अच्छे पारस्परिक संबंध बनाने के लिए स्वयं को स्पष्ट और सटीक रूप से व्यक्त करें। वास्तविक और आभासी में स्वयं को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने के लिए भाषाई दक्षताओं का प्रभावी उपयोग करें मीडिया समूह सेटिंग में बहु सांस्कृतिक संवेदनशीलता प्रदर्शित करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** मजबूत कार्य दृष्टिकोण और पेशेवर कौशल से लैस करें। जो उन्हें स्वतंत्र रूप से काम करने में सक्षम बनाएगा।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** संलग्न रहने की क्षमता हासिल करें सामाजिक-तकनीकी परिवर्तन के व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवन भर सीखना।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और ज्ञान का प्रदर्शन करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और अपने क्षेत्र में स्थित समस्याओं से निपटने के लिए उच्चक्रम के संज्ञानात्मक कौशल का उपयोग करें। सामाजिक वातावरण, व्यवहार्य समाधान, प्रस्तावित करना और इसके कार्यान्वयन में सहायता करना।

Course Structure for S.Y.B.A.,Hindi (2022 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
IV	Major (Mandatory)	UAHN241	सामान्य हिंदी	Theory	03
	Major (Mandatory)	UAHN242	काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष– 1)	Theory	03
	Major (Mandatory)	UAHN243	मध्ययुगीन हिंदी काव्य तथा नाटक(हिंदी विशेष–2)	Theory	03
			Total Credits Semester- IV		**09**

स्नातक द्वितीय वर्ष कला[SYBA] SEMISTER – IV

सामान्य हिंदी

PAPER CODE : UAHN 241

SYLLABUS FOR SYBA

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	: SYBA Hindi
Program Code	: UAHN
Class	: SYBA
Semester	: IV
Course Type	: Theory
Course Name	: सामान्य हिंदी
Course Code	: UAHN 241
No. of Lectures	: 48
No. of Credits	: 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1) हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों की रूचि बढाना ।

2) छात्रों कोकहानी विधाएवं हिंदी के कहानीकारों से परिचित कराना ।

3) छात्रों को हिंदी काव्य तथा हिंदी कवियों का परिचय देना ।

4) छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसितकरना।

5) कहानीविधा तथा काव्य के माध्यम सेछात्रों का भावात्मक विकास कराना ।

6) छात्रों कोलेखन कौशल से परिचित करना।

7) छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य, सामाजिक मूल्यों के प्रति आस्था निर्माणकराना ।

8) छात्रों में साहित्य का रसास्वादन करने की क्षमता विकसित करना

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढ़ेगी ।

CO2- छात्र कहानी विधा तथा काव्य से परिचित होंगे ।

CO3-छात्र हिंदी कहानीकारों तथा हिंदी कवियों का परिचय दे पाएंगे ।

CO4- छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित होगी ।

CO5-कहानीविधातथा काव्यके माध्यम सेछात्रों का भावात्मक विकास होगा ।

CO6-छात्रों कोलेखन कौशल से परिचित होंगे ।

CO7-छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य, सामाजिक मूल्यों के प्रति आस्था निर्माणहोगी ।

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

SEMESTER – IV

हिंदी सामान्य

HINDI GENERAL [PAPER CODE : UAHN 241]

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

पाठ्य पुस्तकें :

1) कथा धारा–संपादक : डॉ. अनिता नेरे, डॉ. अशोक धुलधुले
प्रकाशक : जगतभारती प्रकाषन, इलाहाबाद

2) काव्यायन–संपादक : डॉ. सुरेश साळुंके, डॉ. सुभाष तळेकर
प्रकाशक : जगतभारती प्रकाषन, इलाहाबाद

पाठ्यक्रम

इकाईनं	पाठ्यविषय :	क्रेडिट	तासिकाएँ
1) गद्य	1) नमक का दरोगा–प्रेमचंद 2) खेल–जैनेंद्रकुमार 3) लालपान की बेगम–फणीश्वरनाथ रेणु 4) सिलिया–सुशीला टाकभौरे 5) बिगड़ैल बच्चे–मनिषा कुलश्रेष्ठ	01	16
2) पद्य	1) गाँव के लड़के–सुमित्रानंदन पंत 2) पेड़–चंद्रकांत देवताले 3) बाबा ने कहा था–सोहनपाल सुमनाक्षर 4) चुनौती–उषा यादव 5) बेजगह–अनामिका	01	16
3) पाठ्य–पुस्तकेतर पाठ्यक्रम	क. पारिभाषिक शब्द (सूची संलग्न) ख. विज्ञापन लेखन ग. वृत्तांतलेखन (समाचार–पत्र एवंदूरदर्शन के लिए)	01	16

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी के प्रतिनिधि कवि–डॉ. दयानंद शर्मा
2. कहानी नई कहानी–डॉ. नामवर सिंह
3. नई कहानी की भूमिका–कमलेश्वर
4. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति–देवीशंकर अवस्थी
5. समकालीन हिंदी कहानी–डॉ. पुष्पपाल सिंह
6. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर–डॉ. संतोषकुमार तिवारी

7. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि–द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
8. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम–डॉ. अंबादास देशमुख
9. व्यावहारिक हिंदी भाग 1 और 2 –डॉ. ओमप्रकाश मित्तल
10. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन–विधि : राजेंद्रप्रसाद श्रीवास्तव
11. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. गोरक्ष थोरात, निराली प्रकाशन, पुणे

———————————————

क.पारिभाषिक शब्दावली

1. बैंक से संबंधित शब्दावली–

1 **Advance**	अग्रिम, पेशगी
2 **Agreement**	करार, अनुबंध
3 **Audit**	लेखा परीक्षा
4**Budget**	आय–व्ययक, बजट
5**Currency**	मुद्रा
6**Deduction**	कटौती, घटाना
7**Deposit**	जमाराशि, जमा
8**Expenditure**	व्यय, खर्च
9**Finance**	वित्त
10 **Increment**	वेतन वृद्धि

2. डाक–तार से संबंधित

1 **Acknowledgement (A.D.)**	प्राप्ति, पावती स्वीकृति
2 **Addressee**	पानेवाला, प्रेषिती
3 **Communication**	संचार, संदेश
4 **Director (Post Offices)**	निदेशक; डाक)
5 **Inspector**	निरीक्षक
6 **Post office**	डाकघर
7 **Postage Stamp**	डाकटिकट
8 **Postal Address**	डाक पता
9 **Recurring Deposit**	आवर्ती जमा
10 **Registered Letter**	पंजीकृत पत्र

3. प्रशासनिक शब्दावली

1 **Ability**	योग्यता
2 **Bonafide**	वास्तविक
3 **Charge**	प्रभार
4 **Demotion**	पदावनति
5 **File**	फाइल, मिसिल
6 **Gradation**	पदक्रम
7 **Implementation**	कार्यान्वयन
8 **Manuscript**	पॉडुलिपि

9	**Minutes**	कार्यवृत्त
10	**Vacancy**	रिक्तस्थान

4. भारतीय संविधानसेसंबंधीत

1	**Ambassador**	राजदूत
2	**Bureau**	ब्यूरो, कार्यालय, केंद्र
3	**Cabinet**	मंत्रिमंडल
4	**Bureaucracy**	नौकरशाही
5	**Constituency**	निर्वाचन क्षेत्र
6	**Constitution**	संविधान
7	**Elected**	निर्वाचित
8	**Embassy**	राजदूतावास
9	**Gazette**	राजपत्र
10	**Member of Parliament**	सांसद, संसदसदस्य

5. रेलसेसंबंधित

1	**A.C. Chair Car**	वातानुकुलन कुर्सी यान
2	**Break Journey**	यात्राभंग, विराम
3	**Compartment**	डिब्बा
4	**Expansion of Journey**	यात्रा विस्तारण
5	**Goods Shed**	मालगोदान
6	**Head Light**	अगली बडीबत्ती
7	**Mail Train**	डाकगाडी
8	**Pad Lock**	सामान्य ताला
9	**Return Ticket**	वापसी यात्रा टिकट
10	**Zonal Pass**	क्षेत्रीय पास

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: UAHN241

Tittle of Course : सामान्य हिंदी

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					2				
CO 2									
CO 3			3						
CO 4		3				3			
CO 5				2		3			
CO 6					3	3			
CO 7		3							
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO4- छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित होगी ।

CO7- छात्रों में नैतिक मूल्यए राष्ट्रीय मूल्य, सामाजिक मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण होगी

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO4- छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित होगी ।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO5- कहानी विधा तथा काव्यके माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास होगा ।

PO5: व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO1- छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढ़ेगी ।

CO6- छात्रों को लेखन कौशल से परिचित होंगे ।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO4- छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित होगी ।

CO5- कहानी विधा तथा काव्यके माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास होगा ।

CO6- छात्रों को लेखन कौशल से परिचित होंगे ।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातक द्वितीय वर्ष कला[SYBA] SEMISTER – IV

काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष– 1)

PAPER CODE : UAHN 242

SYLLABUS FOR SYBA

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	: SYBA Hindi
Program Code	: UAHN
Class	: SYBA
Semester	: IV
Course Type	: Theory
Course Name	: काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष– 1)
Course Code	: UAHN 242
No. of Lectures	: 48
No. of Credits	: 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को काव्यशास्त्र का ज्ञान कराना।
2. छात्रों को पद्य के भेदों के साथ प्रबंध तथा मुक्तक काव्य से परिचित कराना।
3. छात्रों को गद्य विधाओं से परिचय कराना।
4. छात्रों को उपन्यास, कहानी, नाटक और एकांकी के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी देना।
5. छात्रों को उपन्यास और कहानी के अंतर से परिचित कराना।
6. छात्रों को नाटक और एकांकी के अंतर से परिचित कराना।
7. छात्रों को नाटक के भेदों से परिचित कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र काव्यशास्त्र का महत्व समझेंगे।

CO2-छात्र पद्य के भेदों के साथ प्रबंध तथा मुक्तक काव्य से परिचित होंगे।

CO3-छात्र गद्य विधाओं से परिचित होंगे।

CO4-छात्र उपन्यास, कहानी, नाटक और एकांकी के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी देंगे।

CO5-छात्र उपन्यास और कहानी के अंतर से परिचित होंगे।

CO6-छात्र नाटक और एकांकी के अंतर से परिचित होंगे।

CO7-छात्र नाटक के भेदों से बताएंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. स्वाध्याय।
2. भारतीय काव्यशास्त्र का सैद्धांतिक एवं अनुप्रयोगात्मक अध्ययन।
3. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
4. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
5. काव्यशास्त्र पर संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
7. अतिथियों के व्याख्यान।

द्वितीय वर्ष कला[SYBA]

SEMISTER – IV

हिंदी विशेष–1

HINDI SPECIAL - 1

PAPER CODE : UAHN 242

काव्यशास्त्र

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र

इकाई नं	पाठ्य विषय	क्रेडिट
इकाई–I	काव्य के भेद (प्रकार) : पद्य के भेद : प्रबंधकाव्य और मुक्तक काव्य, प्रबंध काव्य के भेद–महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक काव्य, गीतिकाव्य।	1
इकाई–II	गद्य के भेदः उपन्यास, कहानी, निबंध। (इन विधाओं का केवल तात्विक परिचय) उपन्यास और कहानी में अंतर।	1
इकाई–III	दृश्य काव्यः अ) नाटक की परिभाषा और तत्व (भारतीय दृष्टि से तत्वों का स्थूल परिचय) आ) माध्यम के आधार पर नाटक के भेद : रंगमंचीय नाटक, रेडियो नाटक, दूरदर्शन नाटक। इ) एकांकीः परिभाषा और तत्व, ई) नाटक और एकांकी की तुलना।	1

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र : डॉ भगीरथ मिश्र
2. काव्य के तत्व : आ. देवेंद्रनाथ वर्मा
3. साहित्य विवेचन : क्षेमचंद्र सुमन/योगेंद्रकुमार मल्लिक
4. साहित्यशास्त्र परिचय : डॉ. सुधाकर कलवडे
5. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. सुरेशकुमार जैन/प्रा.महावीर कंडारकर
7. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. जितेंद्रनाथ मिश्र
8. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
9. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह
10. भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत : डॉ. कृष्णदेव झारी
11. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत : डॉ. सुरेश अग्रवाल
12.समीक्षा शास्त्र के भारतीय मानदंड : डॉ. रामसागर त्रिपाठी
13. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. यतींद्र तिवारी
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. देवराजसिंह भाटी
15. काव्य–प्रदीप : पं. रामबहोरी शुक्ल

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: UAHN242

Tittle of Course : काव्यशास्त्र

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1			2			3			
CO 2		3		2		3			
CO 3						3			
CO 4	3							3	
CO 5			2						
CO 6					3				
CO 7									
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान संबंधित कौशल :

CO4- छात्रों को उपन्यास, कहानी, नाटक और एकांकी के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी मिलेगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO2- छात्र पद्य के भेदों के साथ प्रबंध तथा मुक्तक काव्य से परिचित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO1- छात्र काव्यशास्त्र का महत्व समझेंगे।

CO5- छात्र उपन्यास और कहानी के अंतर से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO3- छात्र गद्य विधाओं से परिचित होंगे।

PO5: व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता : CO5- छात्र उपन्यास और कहानी के अंतर से परिचित होंगे।

CO6- छात्र नाटक और एकांकी के अंतर से परिचित होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1- छात्र काव्यशास्त्र का महत्व समझेंगे।

CO2- छात्र पद्य के भेदों के साथ प्रबंध तथा मुक्तक काव्य से परिचित होंगे।

CO3- छात्र गद्य विधाओं से परिचित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO4- छात्रों को उपन्यास, कहानी, नाटक और एकांकी के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी मिलेगी

स्नातक द्वितीय वर्ष कला[SYBA] SEMISTER – IV

मध्ययुगीन हिंदी काव्य तथा नाटक

PAPER CODE : UAHN 243

SYLLABUS FOR SYBA

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	: SYBA Hindi
Program Code	: UAHN
Class	: SYBA
Semester	: IV
Course Type	: Theory
Course Name	: मध्ययुगीन हिंदी काव्य तथा नाटक
Course Code	: UAHN 243
No. of Lectures	: 48
No. of Credits	: 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडो के आधार पर छात्रो में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना। तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना|
2. छात्रो में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित करना।
3. मध्ययुगीन संत एवं भक्तो के काव्य से छात्रो को परिचित कराना।
4. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना|
5. मध्ययुगीन कवियों के सामाजिक,धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगतकराना।
6. साहित्य सृजन की प्रेरणा निर्माण करना।
7. मध्ययुगीन परिस्थितियों से परिचित करना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडो के आधार पर छात्रो में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना। तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय होंगे|

CO2- छात्रो में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित होंगी।

CO3- मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से परिचित होंगे|

CO4- पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता विकसित होंगी।

CO5- मध्ययुगीन कवियों के सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत होंगे|

CO6- साहित्य सृजन की प्रेरणा निर्माण होंगी ।

CO7- मध्ययुगीन परिस्थितियों से परिचित होंगे|

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

SEMISTER – IV

हिंदी विशेष–2

HINDI SPECIAL - 2

PAPER CODE : UAHN 243

मध्ययुगीन हिंदी काव्य तथा नाटक

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

ikB;iqLrdas %

1- युगे युगे क्रांती - नाटककार - विष्णु प्रभाकर

प्रकाशक - राजपाल प्रकाशन दिल्ली -2010

2.रहीम ग्रंथावली - सं. विद्यानिवास मिश्र

3.बिहारी रत्नाकर -श्री.जगन्नाथदास 'रत्नाकर' -प्रकाशन संस्थान] नई दिल्ली

इकाई I - नाटक: स्वरूप, तत्व।

नाटक कृति: युगे युगे क्रांती - विष्णु प्रभाकर

लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।

इकाई II - अध्यनार्थविषय : रहीमकाव्यक्तित्व, कृतित्व

- रहीम की भाषा
- रहीम की भक्तिभावना
- रहीम के काव्य की प्रासंगिकता
- भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।

रहीम के 20 दोहे

i)भक्ति–

1. समय दषाकुल देखि कै, सबै करत सनमान।
   रहिमन दीन अनाथ को, तुम बिन को भगवान।।
2. रहिमन को कोड काकरै, ज्वारी, चोर, लबार।
   जो पति राखन हार है, माखन चाखन हार।।
3. जे हिरहीमत नमन लियो, कियो हिए बिच भौन।
   तासों दुख सुख कहन की, रही बात अब कौन।।
4. गहि सरनागति राम की, भव सागर की नाव।
   रहिमन जगत उधार कर, और न कछु उपाव।।

ii)संगति का प्रभाव–

1. जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
   चंदन विश व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग।।
2. मूढ़ मंडली में सुजन ठहरत नहीं बिसेषि।
3. स्याम कंचन में सेत ज्यों दूरी कीजियत देखि।।

4. यह रहीम निज संग लै, जनमत जगत न कोय।
बैर, प्रीति, अभ्यास, जसहोत होत ही हाये ।।
5. श्रहिमन उजली प्रकृत को, नहीं नीच को संग
करिया बासन करगहे, कालिख लागत अंग।

iii) दीनता और बड़प्पन–

1. जे गरीब परहित करैं, ते रहीम बड़ लोग।
कहा सुदामा बापुरो, कृश्णमिताई जोग।।
2. थोड़ो किए बड़ेन की, बड़ी बड़ाई होय।
ज्यों रहीम हनुमंत को, गिरिधर कहत न कोय।।
3. दीन सबन को लखत है, दीनहिं लखै न कोय।
जो रहीम दीनहिं लखैं, दीनबंधु सम होय।।
4. रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिये डारि।
जहाँ काम आवेंसुई, कहा करेतरवारि।।

iv) नीति–

1. खैर, खून खाँसी, खुसी, वैर, प्रीति, मद–पान।
रहिमन दाबे न दबै, जानत सकल जहान।।
2. रूठें सुजन मनाइए, जो रुठें सोबार।
रहिमन फिरफिर पोहिए, टूटे मुक्ताहार।।
3. दोनों रहिमन एक से, जौ लौं बोलत नाहिं।
जान परत हैं काक पिक, ऋतु बसंत के माहिं।
4. बिगरी बात बनै नहीं, लाख करो किन कोय।
रहिमन फोट दूध को, मथे न माखन होय।।

v) संत महिमा–

1. तरुवर फलनहिं खातहैं, सरवर पियहिं न पान।
कहि रहीम, पर–का जहित, संपति संचहिं सुजान।।
2.मथत–मथत माखन, दही–मही बिलगाय।
रहिमन सोई मीत है, भीर परेठ हराय।।
3.रहिमन वेनरमर चुके, जे कहुँ माँगन जाहिं।
उनते पहले वे मरे, जिन मुख निकसत नाहिं।।
4. दुर दिन परे रहीम कहि, भलू त सब पहचानि।
सेचनहीं वित–हानिको, जो न होय हितहानि।।

इकाई III –अध्यनार्थ विषय :

- बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- बिहारी की प्रासंगिकता
- बिहारी की अलंकार योजना
- बिहारी की भाषा
- भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।

i) नायक–नायिका वर्णन–

1. मेरी भव बाधा हरौ राधा नागरि सोई।
जातन की झाईं परै स्याम हरित दुति होइ।।
2. कहत नटत रीझत खिजत मिलत लजियात।
भरे भौन में करत हैं नैननि में सबबात।।
3. नभ लाली चाली निसाचट काली धुनि कीन।
रति पाली आळी अनत आये बनमालीन।।
4. सघन कुंज घन घन तिमिर अधिक अँधेरी राति।

तऊन दुरिहै स्याम यह दीप सिखासी जाति।।

5. सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलौने गात।
मनों नीलमनि सेल पर आतप परयो प्रभात।।

ii) संयोग–श्रृंगार वर्णन–

1. प्रीतम दृग मिहि चत प्रिया पानिपर ससुख पाय।
जानि पिछानि अजान लौं नैकु न होतिजनाय।।
2. लटकिलटकिलटकनचलतडटतमुकुटकीछाँह।
चटकभरयौनट मिल गयौअटकभटकमनमाँह।।
3. चिरजीवौजोरीजुरैक्यों न सनेहगभीर।
को घटि ये वृशभानजावेहलधर के वीर।।
4. मन न धरतिमेरौकहयौतूआपनेसयान।
अहेपरनिपरिप्रेमकीपरहथपार न प्रान।।
5. लालतिहारेविरहकीअगनिअनूपअपार।
सरसैबरसैनीरहूँ झरहूँ मिटे न झार।।

iii) नख–सिख वर्णन–

1. अंगअंगनगजगमगतदीपसिखासीदेह।
दियाबौंरतझँपतझौंरझौंर मधुअंध।।
2. पहिर न भूखन कनक के कहिआवतुइहिहेत।
दर्पन के सेमोरचादेहदिखाईदेत।।
3. छकिरसालसौरभसने मधुरमाधुरी गधं।
ठौरठौरझौंरतझँपतझौंरझौंर मधुअंध।।
4. . पावस घनअँधियारिमं` रहयौभेदनहिंआन।
राति द्यौसजान्यौपरैलखि चकईचकवान।।
5. दिसदिसकुसमितदेखियेउपबनबिपिनसमाज।
मनहुबियोगिनिकौंकियोसरपंजररितुराज।

iv) नवरस–इत्यादिवर्णन–

1. नहिंपरागनहि मधुर मधुनहिविकासइहिंकाल।
अलीकलीहीतें बँध्यौआगेकौनहवाल।।
2. कनक कनकतेंसौगुनीमादिकताअधिकाइ।
उहि खायेबौराइजगइहिंपायेबौराइ।।
3. जपमालाछापेतिलकसरै न एकौकाम।
मनकाचैनाचैबृथासाँचेराम।।
4. तजतीरथहरिराधिकातनदुतिकरअनुराग।
जिहिंब्रजकेलिनिकुंज मग पग पगहोतप्रयाग।।
5. जगतजनायौजिहिंसकलसोहरिजान्यौनाहिं।
ज्योंआखनिसबदेखियैआँख न देखीजाहिं।।

संदर्भ ग्रंथ :

1. बिहारी सतसई–संपा. लल्लूजी लाल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी काव्य सौरभ–संपा. कन्हैयालाल सहगल, एच. एच. एण्ड कंपनी, नईदिल्ली
3. रंगभाषा–नेमिचंद्र जैन
4. नाटक और रंगमंच–संपा. गिरीश रस्तोगी
5. महाभोज–मन्नु भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नाट्यालोचन–डॉ. माधव सोनटक्के
7. हिंदी नाट्य विमर्श–संपा. सदानंद भोसले

*****

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: UAHN243 **Tittle of Course : मध्ययुगीन हिंदी काव्य तथा नाटक** **Weightage**: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1	3					3		3	
CO 2					3	3			
CO 3						3			
CO 4	3			2		3		3	
CO 5		3	3		3	2			
CO 6					3	2			
CO 7									
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO1- हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडो के आधार पर छात्रो में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना। तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय होंगे।

CO4- पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO5- मध्ययुगीन कवियों के सामाजिकए धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO5- मध्ययुगीन कवियों के सामाजिकए धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO4- पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता विकसित होंगी।

PO5: व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO2- छात्रो में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित होंगी।

CO5- मध्ययुगीन कवियों के सामाजिकए धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत होंगे।

CO6- साहित्य सृजन की प्रेरणा निर्माण होंगी ।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1- हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडो के आधार पर छात्रो में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना। तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय होंगे।

CO2- छात्रो में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित होंगी।

CO3- मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से परिचित होंगे।

CO4- पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता विकसित होंगी।

CO5- मध्ययुगीन कवियों के सामाजिकए धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत होंगे।

CO6- साहित्य सृजन की प्रेरणा निर्माण होंगी ।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO1- हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडो के आधार पर छात्रो में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना। तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय होंगे।

CO4- पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता विकसित होंगी।

.....